कृतिका

कक्षा IX

Experiment/Activity No. Date Page No.

मेरे संग की औरतें

प्र०:- लेखिका की नानी की आजादी के आंदोलन में किस प्रकार की भागीदारी रही?

उ०:- लेखिका की नानी की परिस्थितियाँ ऐसी नहीं थी कि वह खुलकर आजादी के आंदोलन में भाग ले सकें, किन्तु उन्होंने अपनी आजादी की भावना को मन ही मन पनपने दिया। उन्होंने कभी भी आंग्लेषियत नहीं स्वीकारी। उनके पति स्वयं अंग्रेजों के भक्त थे, फिर भी उन्होंने कभी अंग्रेजों की जीवन शैली नहीं अपनायी। उन्होंने अपने जीवन में आजादी के लिए सबसे बड़ा योगदान यह दिया कि अपनी संतानों को देश के भविष्य को बनाने में लगा दिया। उन्होंने अपनी बेटी की शादी ऐसे क्रांतिकारी से करवा दी जो देश की आजादी की लड़ाई में लगा था।

प्र०:- लेखिका मृदुला गर्ग की माँ की चारित्रिक विशेषताएँ लिखिए

उ०:- लेखिका की माँ के व्यक्तित्व की सबसे बड़ी विशेषता यह थी कि वे स्वतंत्रता आंदोलन के लिए काम करती थी, तथापि वह गृह-गृहस्थी के काम नहीं करती थी किन्तु उनका व्यक्तित्व इतना प्रभावशाली था कि घर के हर काम में उनकी राय अवश्य ली जाती थी। वह अपना सारा समय पुस्तकें पढ़ने, साहित्यचर्चा करने और संगीत सुनने में बिताती थीं, वह कभी झूठ नहीं बोलती थीं।

Teacher Signature

प्र०! डराने धमकाने आदेश देने या दबाव डालने की जगह सहजता से किसी को भी राह पर लाया जा सकता है - तर्क सहित उत्तर दीजिए।

उ०!- मनुष्य का दृढ़ विश्वास और सहज व्यवहार ही उसका प्रभावी अस्त्र है। यदि कोई अपना गलत राह पर चला जाए तो उसे सहजता के व्यवहार से भी राह पर लाया जा सकता है। लेखिका की नानी ने अपने पति की अंग्रेज भक्ति का न तो कभी समर्थन किया और न कभी मुखर विरोध। अपने आदर्शों पर चलकर ही वह मनोवांछित कार्य कर पावीं, लेखिका की माँ ने तो अपने सहज व्यवहार से चोर का हृदय परिवर्तन कर उसे सही राह पर ला दिया।

प्र०!- 'शिक्षा बच्चों का जन्मसिद्ध अधिकार है' - इस दिशा में लेखिका के प्रयासों का उल्लेख कीजिए।

उ०;- बच्चे के जन्म के साथ ही उसका शिक्षा पाने का अधिकार जुड़ा है। उसे उचित शिक्षा मिलनी ही चाहिए कर्नाटक के बागलकोट कस्बे में लेखिका के दो बच्चों को पढ़ने के लिए स्कूल नहीं था, अतः लेखिका ने एक स्कूल खोलने के लिए वहाँ के कैथोलिक बिशप से प्रार्थना की, पर बिशप नहीं माने। तब लेखिका ने कुछ उत्साही लोगों को साथ लेकर एक अच्छा प्राइमरी स्कूल खुलवाया, जिसमें लेखिका के बच्चों के साथ - साथ अन्य बच्चों ने पढ़ा, और बाद में बड़े स्कूलों में प्रवेश लिया,

Experiment/Activity No.________ Date ________ Page No. ________

प्र०:- पाठ के आधार पर लिखिए कि जीवन में कैसे इंसानों को अधिक श्रद्धा भाव से देखा जाता है?

उ०:- इस पाठ के आधार पर दृढ़ संकल्पी, ऊँचे विचारवान, सद्भावना का व्यवहार करने वाले और गलत रूढ़ियों और परंपराओं को तोड़ने की हिम्मत रखने वाले का समाज में बहुत आदर होता है। लेखिका की नानी इसलिए श्रद्धेया बनी क्योंकि उन्होंने अपने परिवार और समाज के विरुद्ध अपनी पुत्री का विवाह एक क्रांतिकारी से करवाया, लेखिका की परदादी को उनके अधिक संचय न करने के संकल्प ने महान बना दिया। लेखिका की माँ इसलिए श्रद्धेया बनी क्योंकि उन्होंने कभी झूठ नहीं बोला और किसी की गोपनीय बातों को किसी दूसरे को नहीं बताया,

— ० —

Teacher Signature________